- 20th Year
- Issue: 177
- 05.11.2026 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH



नरेन्द्र मोदी और योगी जैसे माटी के लाल करेंगे देश का नेतृत्व-नितिन नवीन

गोरखपुर ०४/११ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि देश का नेतृत्व तथाकथित युवराज नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उज़र प्रदेश के मुज्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे 'माटी के लाल' करेंगे। गोरखपुर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान को संबोधित करते हुए नवीन ने विपक्ष पर चुनावी हार के बाद बहाने बनाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी को 'पार्ट टाइम नेता' करार देते हुए कहा कि वह केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं जबकि भाजपा के कार्यकर्ता पूरे वर्ष जनता की सेवा करते हैं। नवीन ने कहा, राहुल गांधी जी, भारतीय लोकतंत्र इतना मजबूत है कि आपके जैसे कितने भी तथाकथित युवराज आ जाएं, वे आएंगे और चले जाएंगे। इस देश का नेतृत्व इसी माटी के लाल नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ करेंगे। उन्होंने दावा किया कि दोनों नेताओं को देश की 140 करोड़ जनता का विश्वास प्राप्त है और वे लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली का जिक्र करते हुए दावा किया कि उसमें आयोजकों के अनुमान के मुकाबले 10 प्रतिशत लोग भी नहीं जुटे। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत भाजपा और उसके सहयोगी दल देशभर में बड़ी रैलियां और मार्च निकाल रहे हैं जो राजग के प्रति जनता के समर्थन को दर्शाता है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे



आरोपों पर नवीन ने कहा कि चुनाव हारने वाले दल अपनी संगठनात्मक कमजोरियों का आकलन करने के बजाय मतदाता सूची को दोष दे रहे हैं।उन्होंने सवाल किया कि जब एसआईआर नहीं हुआ था, तब विपक्षी दल चुनाव ज़्यों हार रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी के राहुल गांधी के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें किसी भी स्थान पर ईवीएम की जांच करने की चुनौती दी थी लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। नवीन ने मतदाता सूची से करीब 13 करोड़ नाम हटाए जाने के विपक्ष के दावे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि इनमें करीब ढाई करोड़ मृत मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियां थीं, जबकि लगभग छह करोड़ लोग अपने पंजीकृत पते से स्थानांतरित हो चुके थे, वहीं तीन करोड़ से अधिक लोगों के पते का सत्यापन नहीं हो सका। भाजपा अध्यक्ष ने मतदाता सूची में करीब तीन करोड़ घुसपैठियों के होने का भी दावा किया। उन्होंने बिहार के पूर्व उपमुज़्यमंत्री तेजस्वी यादव और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि युवा मतदाता ऐसे 'राजकुमारों' को नकार रहे हैं। नवीन ने राहुल गांधी को फुस्स रॉकेट करार देने संबंधी योगी आदित्यनाथ के बयान का जिक्र करते हुए तंज किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ रॉकेट ही नहीं, बल्कि उसका लॉन्चिंग पैड भी खराब है, इसलिए वह बार-बार असफल हो रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर गरीबी खत्म करने के वादे पूरे नहीं करने और गरीबों को विकास से दूर रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी के नेतृत्व में देश तथा उज़र प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। नवीन ने कांग्रेस पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के निर्वाचन को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अवैध ठहराए जाने के बाद कांग्रेस ने कानून में बदलाव कर उस फैसले को निष्प्रभावी किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने डॉज़्टर भीमराव आंबेडकर के राजनीतिक हितों के खिलाफ भी काम किया जबकि आज उसके नेता संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं। नवीन ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव घरों में रहे, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों की मदद की। उन्होंने विपक्ष पर कोविड टीके को लेकर पहले सवाल उठाने और बाद में वही टीका लगवाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव जीतने पर लोकतंत्र की तारीफ करता है, लेकिन हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार में हारने पर निर्वाचन आयोग तथा ईवीएम पर सवाल उठाने लगता है।

नवीन ने दावा किया कि उज़र प्रदेश में भाजपा और राजग की ताकत दिखाने के लिए 100 से अधिक मार्च निकाले गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जनादेश को चुनौती देकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''भारत का लोकतंत्र मजबूत है, इसकी जड़ें गहरी हैं और आपकी नापाक मंशाएं कभी सफल नहीं होंगी।''

अग्निवीरों के लिए मोदी सरकार का बड़ा फैसला, ७५ प्रतिशत की आर्मी में होगी भर्ती, दो साल का सेवा विस्तार

नयी दिल्ली ०४/११ (संवाददाता): अग्निपथ ढांचे में किए गए बदलावों के तहत, जिन अग्निवीरों का चयन नियमित भर्ती के लिए नहीं हो पाता है, उन्हें दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इससे उनकी कुल सेवा अवधि चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमण्यम ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान इस फैसले की घोषणा की। मौजूदा नियमों के अनुसार, मेरिट के आधार पर 25 प्रतिशत तक अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जा सकता है। बाकी बचे 75 प्रतिशत अग्निवीरों को, अपनी शुरुआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद, दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इस विस्तारित कार्यकाल के अंत में, जो अग्निवीर आगे भी सेवा जारी रखना चाहेंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए विचार



किया जाएगा, जिसके लिए कुछ तय चयन मानदंड लागू होंगे। सीडीएस ने कहा कि योग्यता के आधार पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जाएगा। पहले, 75 प्रतिशत अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएं। हालांकि, इस अद्यतन (अपडेटेड) योजना के तहत, बाकी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को अब दो साल की अतिरिक्त सेवा अवधि का मौका दिया जाएगा। यह दो साल की अवधि पूरी होने पर, जो भी इच्छुक होंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल कर लिया जाएगा; इसके लिए चयन के कुछ निश्चित मानदंड होंगे। इस योजना के ये चार मुज़्य पहलू हैं।इस बीच, अग्निवीरों का पहला बैच 21 नवंबर को सेवा से बाहर हो जाएगा। भारतीय नौसेना के पहले बैच में लगभग 2,100 अग्निवीरों को शामिल किया गया था, जिनमें से करीब 550 (लगभग 25 प्रतिशत) को रिटेंशन पॉलिसी के तहत नौसेना में स्थायी रूप से रख लिया गया है। बाकी बचे अग्निवीरों को पहले अपने चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवा से बाहर होना था। हालांकि, अब अद्यतन ढांचे (अपडेटेड फ्रेमवर्क) के तहत, उन्हें दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल देने का प्रस्ताव दिया जाएगा। भारतीय नौसेना के साथ-साथ, भारतीय वायु सेना और थल सेना में अग्निवीरों के पहले बैच का चार साल का कार्यकाल भी 31 दिसंबर तक पूरा होने वाला था। पहले यह उज़्मीद थी कि साल के अंत तक तीनों सेनाओं से 18,000 से अधिक अग्निवीर सेवा से बाहर हो जाएंगे। हालाँकि, हाल ही में की गई घोषणा के अनुसार, बाकी बचे 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। भारत सरकार द्वारा 2022 में शुरू की गई %अग्निपथ योजना% का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों (जिसमें भारतीय नौसेना भी शामिल है) की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव लाना है। भारतीय नौसेना 10वीं और 12वीं पास युवाओं को अग्निवीर के रूप में भर्ती करती है। ये युवा ढ्हस् चिल्का (ओडिशा) में बुनियादी प्रशिक्षण लेते हैं.

दिल्ली से चलता है पंजाब, सुबह उनके मुंह से शराब की बू आती थी, सीएम मान पर राहुल गांधी ने लगाया गंभीर आरोप

नयी दिल्ली ०४/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को दिल्ली से चलाया जा रहा है और सरकार नशीले पदार्थों की समस्या (ड्रग्स की समस्या) को रोकने में नाकाम रही है। संगरूर में कांग्रेस की इंसाफ रैली को संबोधित करते हुए, गांधी ने चिट्टा (मिलावटी हेरोइन) को पंजाब की एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि कई साल पहले मैंने कहा था कि पंजाब में नशीले पदार्थों का प्रसार हो रहा है। उस समय बीजेपी और अकाली दल ने यह कहकर बात को टाल दिया था कि राहुल गांधी को पंजाब के बारे में कुछ नहीं पता है। गांधी ने कहा लोगों को एक ऐसी सरकार चाहिए जो पंजाब के लिए काम करे। न कि आप जैसी सरकार, जो



दिल्ली से चलाई जाती है। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी के पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह और वरिष्ठ नेता प्रताप बाजवा, विजय इंदर सिंगला, चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, राजिंदर कौर भट्टल और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी मौजूद थे। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस आरोप पर खुली बहस की चुनौती दी कि कांग्रेस राष्ट्र-विरोधी है। उन्होंने मोदी से कहा कि वे किसी भी मंच पर आकर उनका सामना करें। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा कराने की मोदी की बार-बार की मांग बेमानी है, ज़्योंकि संसद में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और जब वे (गांधी) बोलने की कोशिश करते हैं, तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। गांधी ने कहा कि दिल्ली से पंजाब की सरकार नहीं चलती है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस अपनी राज्य सरकारों को संबंधित राज्यों के भीतर से ही चलाती है। उन्होंने कहा न तो केंद्रीय गृह मंत्री पंजाब चलाते हैं और न ही दिल्ली से कोई मुज़्यमंत्री पंजाब चलाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेता पंजाब सरकार पर नियंत्रण रखे हुए हैं, जबकि मान को उनके प्रभाव में रहकर ही सरकार चलानी पड़ रही है। AAP सरकार के नशा खत्म करने के वादे पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि इसी वादे के दम पर सज़ा में आने के बावजूद, नशा आज भी पंजाब की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। उन्होंने पूछा पंजाब ने भगवंत मान और आम आदमी पार्टी पर भरोसा किया था। उनका वादा ज़्या था? यही कि वे नशे को जड़ से खत्म कर देंगे। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने नशा कहां खत्म किया है? पंजाब के किस हिस्से से वे नशे की समस्या को मिटाने में कामयाब रहे हैं? संसद में पंजाब के मुज़्यमंत्री के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए, गांधी ने दावा किया कि मान सुबह सांसदों के साथ बैठकर मजाक-मस्ती करते थे.

रुसी विदेश मंत्री का फर्जी वीडियो शेयर करने पर प्रशांत भूषण पर एफआईआर

नयी दिल्ली ०४/११ (संवाददाता): दिल्ली पुलिस ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का डिजिटल रूप से छेड़छाड़ किया गया वीडियो साझा करने के आरोप में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस वीडियो में कथित तौर पर भारत के खिलाफ आपज़िजनक बातें कही गई थीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने तीन नवंबर को साइबर गश्त के दौरान सोशल मीडिया मीडिया मंच पर 'ऐट दी रेट दकोट्सन्यूज' हैंडल से की गई एक पोस्ट देखी थी। इसमें दावा किया गया था कि रूस के विदेश मंत्री का कथित रूप से एक छेड़छाड़ किया गया वीडियो भूषण के 'एज़्स' हैंडल से साझा किया गया है। इसके बाद विशेष प्रकोष्ठ थाने में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार इस वीडियो में भ्रामक और भड़काऊ बातें थीं जिनसे अफवाहें फैलने की आशंका थी, किसी की छवि खराब हो सकती थी और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह घटनाक्रम विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा इस डिजिटल रूप से छेड़छाड़ कर बनाए गए वीडियो की जांच (फैज़्ट-चेक) करने और उसे फर्जी बताए जाने के बाद सामने आया है, जिसे गलत तरीके से रूस के विदेश मंत्री से जोड़कर पेश किया गया था।

चक्रवात मुरासु से आंध्र प्रदेश में भारी तबाही, दो की मौत

अमरावती ०४/११ (संवाददाता): आंध्र प्रदेश में मंगलवार को भीषण चक्रवाती तूफान मुरासु के चलते कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, 52000 हेज़्टेयर से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं और 300 से ज़्यादा घर तथा बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक हज़्ते के भीतर राज्य के तट से टकराने वाला यह दूसरा चक्रवात था। मंगलवार तड़के यह तट से टकराया, जिससे 15 जिलों में खड़ी फसलें पानी में डूब गईं। कृष्णा, बापटला और नंड्याल जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। चक्रवात के पहुंचने से पहले कई इलाकों में भारी से लेकर बहुत भारी बारिश हुई। हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के कुल 2,750 खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण बिजली पारेषण लाइनें, उपविद्युत केंद्र और वितरण से जुड़े महत्वपूर्ण उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाशम और बापटला जिलों में इसका सबसे ज़्यादा असर पड़ा है।आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राज्य में चक्रवात से जुड़ी घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है तथा 12,230 लोग अब भी चक्रवात आश्रय स्थलों में ठहरे हुए हैं। जैन ने बताया कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, चक्रवात से दक्षिणी राज्य को कम से कम 344 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और 52,459 हेज़्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। जैन ने कहा कि चक्रवात से 312 घर प्रभावित हुए हैं।



सरकार 814 छोटे सिंचाई टैंकों पर नजर रख रही है और उनमें से 776 के सिलसिले में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रकाशम जिले में कुछ मछली पकड़ने वाली नावें क्षतिग्रस्त हो गईं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन फंस गए। भारी बारिश तथा तेज हवाओं के कारण दृश्यता बहुत कम हो जाने से वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में भारी परेशानी हुई। खराब मौसम के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई, जिससे कई जगहों पर यात्री फंस गए। 35 से अधिक ट्रेन रद्द कर दी गईं, 14 ट्रेन का मार्ग बदल दिया गया, आठ ट्रेन का समय फिर से निर्धारित किया गया, और कई उड़ानें भी रद्द कर दी गईं।

दमकल विभाग ने उखड़े हुए पेड़ों को हटाने और बाढ़ का पानी निकालने के लिए 185 दल तैनात किये हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के 11 और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के 13 दल राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। इस चक्रवात का असर 15 जिलों में फैले 132 मंडलों पर पड़ा है।राज्य सरकार ने 171 राहत शिविरों का इंतजाम किया है और 14,810 भोजन के पैकेट बांटे हैं। एहतियात के तौर पर 3,066 गर्भवती महिलाओं और 1,008 स्तनपान कराने वाली माताओं को अस्पतालों में पहुंचाया गया है। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।सरकार ने यह भी बताया कि 13 जिलों में 725 मेडिकल दल भेजे गये हैं और 362 एज़्बुलेंस को तैयार रखा गया है। सोमवार सुबह 8.30 बजे से मंगलवार सुबह 8.30 बजे के बीच बापटला में 22 सेंटीमीटर (सेमी) की बहुत अधिक बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा नरसापुर (20 सेमी), करमचेडु (16 सेमी), अड्डंकी (15 सेमी) और भीमवरम (13 सेमी) में भी काफी भारी बारिश हुई।

मुज़्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तूफान से निपटने में 'तत्काल मदद और एकजुटता' दिखाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। नायडू ने कहा कि बचाव और राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए राज्य प्रशासन, केंद्रीय दलों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मुज़्यमंत्री ने तूफान के असर से निपटने में समय पर मदद देने के लिए कर्नाटक के अपने समकक्ष डी.के. शिवकुमार और पड़ोसी राज्य के लोगों को भी धन्यवाद दिया। भीषण चक्रवाती तूफान के तीन नवंबर की आधी रात तक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बुधवार को तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।



विविध समाचार



स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर तंज, 56 चुनाव हारने के बाद भी नहीं स्वीकारी विफलता

कोलकाता ०४/११ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी ने को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'निरंतर इंतजार में बैठे युवराज' करार दिया और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर चुनावी हार को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस ने मौजूदा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले 2014 से 2025 के बीच 56 चुनावों में हार का सामना किया था।



उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नेतृत्व की नाकामियों पर आत्ममंथन करने के बजाय अपनी चुनावी हार के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहरा रही है। भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, कांग्रेस 2014 से चुनाव हार रही है। उस समय ज्ञानेश कुमार मुख्य निर्वाचन आयुक्त भी नहीं थे। मौजूदा एसआईआर से पहले 2014 से 2025 के बीच कांग्रेस 56 विधानसभा चुनाव हार चुकी है। ईरानी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जनता के चुनावी जनादेश को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं और इसके बजाय चुनावों की वैधता व संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, निरंतर इंतजार में रहने वाला युवराज अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस बार-बार चुनाव ज़्यों हार रही है, इस पर आत्ममंथन करने के बजाय वह निर्वाचन आयोग पर हमला कर रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। ईरानी ने कांग्रेस की आपज़ियों पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर मतदाता सूचियों में दोहरे नाम या मृत व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं, तो कांग्रेस मृत लोगों के नाम फिर से शामिल कराने की मांग ज़्यों कर रही है? वह दोहरी प्रविष्टियों को बरकरार ज़्यों रखना चाहती है? ईरानी ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने चुनावी लाभ के लिए पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों को जगह दी। उन्होंने आरोप लगाया, ₹तृणमूल कांग्रेस मतदाता सूची में दोहरे और फर्जी मतदाताओं के नाम ज़्यों चाहती है? पार्टी ने अपने फायदे के लिए घुसपैठियों को जगह दी। ईरानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक टकराव तेज हो रहा है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने निर्वाचन आयोग पर ''वोट चोरी'' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की।

ईरानी ने कहा कि एसआईआर एक व्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया है। उन्होंने दावा किया कि निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) कई बार मतदाताओं के घर गये। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों के करीब 20 लाख बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) भी इस प्रक्रिया से जुड़े थे। उन्होंने सवाल किया कि अब ये दल इसकी पारदर्शिता पर सवाल ज़्यों उठा रहे हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि मसौदा मतदाता सूचियों से हटाए गए करीब 13 करोड़ नामों में से लगभग तीन करोड़ मृत मतदाताओं के थे, एक करोड़ नाम दोहरे थे, करीब तीन करोड़ मतदाता बार-बार दौरे के बावजूद अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले और लगभग छह करोड़ मतदाताओं ने अपना पता बदल लिया था।

उन्होंने कहा कि करीब 90 करोड़ मतदाताओं में से 90 प्रतिशत का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। ईरानी ने कहा कि 1952 से देश में 12 एसआईआर कराए गए और इनमें से 10 कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में हुए थे। उन्होंने विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं की राजनीतिक गतिविधियों के दौरान 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए।

भाजपा नेता ने कहा, उन लोगों की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है, जो लोकतांत्रिक तरीकों से सरकार बदलने की मांग करने के बजाय अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लोग चुनाव के जरिए अपनी राय व्यक्त करते हैं और सरकार बदलते हैं। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, कोई 'शासन व्यवस्था' नहीं।'' ईरानी ने राहुल पर विदेश में भारत के खिलाफ बयान देने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि विपक्ष देश को बदनाम करने और भाजपा को सज़ा से हटाने के लिए विदेशी मदद मांग रहा है। राष्ट्रीय महाचिव ने सवाल किया, ₹राहुल गांधी लंदन जाते हैं और कहते हैं कि वह मोदी को हराना चाहते हैं। ज़्या विपक्ष के नेता के लिए विदेशी धरती पर इस तरह की टिप्पणी करना उचित है?₹ उन्होंने सवाल उठाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष किसी दूसरे देश में जाकर वहां के संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और राजनीतिक हलकों से भारत में निर्वाचित सरकार को हटाने के लिए समर्थन कैसे मांग सकते हैं।ईरानी ने विपक्ष पर राजनीतिक दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दल पश्चिम बंगाल में आपसी मतभेदों के बावजूद दिल्ली में एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, दिल्ली में अधीर २दा (कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी) और ममता दीदी हाथ मिला रहे हैं।

फॉर्म-६ पर चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण महज शब्दों का खेल-जयराम रमेश

नयी दिल्ली ०४/११ (संवाददाता): कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग की ओर से फॉर्म-6 को लेकर दी गई ताजा सफाई को शब्दों की बाजीगरी करार देते हुए कहा कि इससे कुछ भी स्पष्ट नहीं होता है। मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की खामियां किसी भी तरह की कवायद से दूर नहीं की जा सकतीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि निर्वाचन आयोग की हर सफाई से यह साबित हो रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया को कितनी खराब तरीके से तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि फॉर्म-6 में स्पष्ट रूप से पूछा जाता है कि ज़्या आवेदक पहली बार मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर रहा है। आयोग का यह कहना कि एसआईआर के दौरान दोबारा नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने वाले मतदाताओं को भी पहली बार आवेदन करने वाला माना जा सकता है, केवल शब्दों का भ्रामक खेल है। रमेश ने आरोप लगाया कि आयोग पहले



मतदाताओं से गलत घोषणा पर हस्ताक्षर करा रहा है और अब उन्हें इसके कानूनी परिणामों से बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया ही मतदाताओं को सूची से बाहर करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भी आयोग को पत्र लिखकर इस तरह फॉर्म-6 के इस्तेमाल पर आपज़ि जताई थी। उनका यह भी कहना है कि इस मुद्दे पर मामला लंबित है और बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने आयोग के तर्क पर सवाल उठाए हैं। रमेश ने कहा कि एसआईआर में पहले मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और फिर उन्हें नए मतदाता के रूप में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने को कहा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रक्रिया को रोका जाना चाहिए। दरअसल, निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि मसौदा मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर पहले से पंजीकृत मतदाता भी फॉर्म-6 भरकर अपना नाम दोबारा शामिल कराने का अनुरोध कर सकते हैं। आयोग के अनुसार, ऐसा आवेदन अपने आप में गलत घोषणा नहीं माना जाएगा और इसके आधार पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत कार्रवाई नहीं होगी।

महाराष्ट्र, बिहार, जमू कश्मीर...देश के कई राज्यों में सियासी भूचाल, होने वाला है बड़ा धमाका!

नयी दिल्ली ०४/११ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में वही हालात पैदा करना चाहती है जो 370 हटने के बाद जज़्मू कश्मीर में हुआ। तो जरा सोचिए कि देश के लोग ज़्या सोचेंगे कि 370 हटने के बाद जज़्मू कश्मीर में इंडिपेंडेंस डे मनाया जा रहा है। त्यौहार मनाए जा रहे हैं। कृष्ण जन्माष्टमी मनाए जा रहे हैं। टूरिस्ट की संज़्या बढ़ी है। इन्वेस्टमेंट बढ़ा है वो ज्यादा अच्छा सिचुएशन है या उससे पहले वाला सिचुएशन अच्छा था जब पुलिस वालों पर पत्थर मारे जाते थे। अभी हालात ज्यादा अच्छे हैं। लोग खुश नजर आ रहे हैं। उससे बेहतर ज़्या चाहिए? कई राज्यों में सियासी हलचल तेज हो गई है। कहीं सरकार गिरने की आशंका जताई जा रही है तो कहीं कहा जा रहा है कि बड़ी-बड़ी पार्टियां टूट सकती हैं। मतलब दिवाली के बाद कई राज्यों में बड़ा धमाका होने की उज़्मीद है। जज़्मू कश्मीर में शादी रचाई नई दुल्हन के पांव पड़े ही थे कि पार्टी के 21 विधायक बागी हो गए। उमर अज़्दुल्ला बेचारे हनीमून पैकेज तलाश रहे थे कि उधर खबर आ गई कि पार्टी के बागी विधायकों ने दिल्ली से मिलने के लिए समय मांगा है। मतलब जज़्मू कश्मीर में आने वाले दिनों में कुछ बड़ा बवाल देखने के लिए मिल सकता है। सरकार गिर सकती है। जिस तरह फारूक अज़्दुल्ला ने कहा कि वो तो पाकिस्तान है जिसने कश्मीरियों को बचाया। वहीं पर ये तय हो गया था कि चूक हो गई है। अब ऊपर से बयान आ रहा है कि 370 हटने से हालात खराब हुए। अब भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में वही हालात पैदा करना चाहती है जो 370 हटने के बाद जज़्मू कश्मीर में हुआ। तो जरा सोचिए कि देश के लोग ज़्या सोचेंगे कि 370 हटने के बाद जज़्मू कश्मीर में इंडिपेंडेंस डे मनाया जा रहा है। त्यौहार मनाए जा रहे हैं। कृष्ण जन्माष्टमी मनाए जा रहे हैं। टूरिस्ट की संज़्या बढ़ी है। इन्वेस्टमेंट बढ़ा है वो ज्यादा अच्छा सिचुएशन है या उससे पहले वाला सिचुएशन अच्छा था जब पुलिस वालों पर पत्थर मारे जाते थे। अभी हालात ज्यादा अच्छे हैं। लोग खुश नजर आ रहे हैं। उससे बेहतर ज़्या चाहिए? उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे ने देवेंद्र फडनवीस से वन टू वन मुलाकात की वहां कमरे में मुलाकात हुई। उसके बाद एक मुलाकात और हुई एनसीपी अजीत पवार गुट के बड़े नेता जिसमें छगन भोजबल, प्रफुल पटेल और सबसे खास बात ये कि यह सब दिल्ली आए और दिल्ली में मुलाकात हुई है। मतलब अमित शाह से मुलाकात की है इन लोगों ने। अजीत दादा पवार की पत्नी सुनेत्रा की इच्छा है कि उनका बेटा एनसीपी में सब कुछ संभाले। जो पुराने नेता हैं जिन्होंने अजीत पवार के साथ मिलकर पार्टी तोड़ी और एनडीए के साथ आए उनका ज़्या? ऐसे में एक तरफ मां बेटे और एक तरफ बाकी नेता है। एक और टूट एनसीपी की तय है। बड़ा खेला मतलब महाराष्ट्र में देखने के लिए मिल सकता है।

बिहार में जेडीयू के दो गुट बनते दिख रहे हैं। अनंत सिंह को अभी निकाला गया। ललन सिंह और अनंत सिंह एक गुट के बताए जा रहे थेय़ उन दोनों में अशोक चौधरी को किनारे कर दिया गया। संजय झा नीरज कुमार को आशीर्वाद देने पहुंचे हैं जो कि अनंत सिंह समर्थित प्रत्याशी को रहा दिया है। तो तो साफ-साफ दिख रहा है दो गुट हैं। आपको पता है कि जेडीयू को हराने वाले कैंडिडेट बीजेपी में शामिल हो गए हैं। निर्दलीय से लड़े थे पर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। किसे पता कब ज़्या होगा? बिहार के भी जेडीयू का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली आया है और वह भी मुलाकात करके जा चुका है। अब नीतीश कुमार एक तरफ हैं। नीतीश कुमार किसके ऊपर हाथ रखते हैं वो तो सबको पता है कि वो तो नीतीश कुमार सिर्फ जानेंगे।

पंजाब में कल देखा गया कि बीते दिन तीन विधायक आम आदमी पार्टी के बीजेपी में शामिल हो गए। अकाली दल अप्रोच कर रही है कि किसी तरह बीजेपी अकाली दल के साथ गठबंधन हो जाए। लेकिन बीजेपी ये कैलकुलेट कर रही है कि चुनाव के पहले अलायंस करने में फायदा है या चुनाव के बाद अलायंस करने में फायदा है। बीजेपी के कैलकुलेशन के अनुसार ही जो होना है वो होगा हम मतलब मतलब कांग्रेस के और आम आदमी पार्टी के कुछ लोग टूटने के लिए तैयार हैं और दूसरा बीजेपी ये कैलकुलेट कर रही है कि अकाली दल अलग लड़े तब फायदा है या साथ में मिलके प्री अलायंस हो या पोस्ट अलायंस हो अलायंस होगा।

विशाखापज़नम में एचपीसीएल रिफाइनरी के स्टोरेज टैंक में लगी आग, बुझाई गई

विशाखापज़नम ०४/११ (संवाददाता):आंध्र प्रदेश में देर रात हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की रिफाइनरी के पिच इंटरमीडिएट भंडारण टैंक में आग लग गई, जिस पर जल्द ही काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एचपीसीएल के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आग लगने की इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। रात करीब 10 बजे विशाखापज़नम में एचपीसीएल की रिफाइनरी से आग की ऊंची लपटें उठने और काले धुएं का घना गुबार निकलने से शहर में अफरा-तफरी मच गई।

महारत्न कंपनी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर कहा, ''दो नवंबर को रात करीब 10 बजे हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की विशाख रिफाइनरी के पिच इंटरमीडिएट भंडारण टैंक में आग लगने की घटना हुई। आग पिच टैंक क्षेत्र तक ही सीमित रही और थोड़े समय में उस पर काबू पा लिया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।'' एचपीसीएल के अनुसार, रिफाइनरी की अग्निशमन और सुरक्षा टीम ने ''तत्काल आग बुझाने और आपात स्थिति से निपटने के उपाय शुरू किए।'' कंपनी ने बताया कि आग पर काबू पाने के बाद रिफाइनरी की सभी इकाइयां सुरक्षित रूप से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा, ''एचपीसीएल सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है।'' विशाखापज़नम स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी की क्षमता सालाना 1.5 करोड़ मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) है। विज़ वर्ष 2025-26 में रिफाइनरी ने शानदार प्रदर्शन किया और 1.604 करोड़ मीट्रिक टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया, जो अब तक का उसका सर्वाधिक सालाना प्रसंस्करण है। विशाख रिफाइनरी की शुरुआत भारत के पूर्वी तट की पहली तेल रिफाइनरी के रूप में हुई थी। इसे कैल्टेज़्स ऑयल रिफाइनिंग इंडिया लिमिटेड (कोरिल) ने 1957 में शुरू किया था और उस समय इसकी कच्चे तेल के प्रसंस्करण की क्षमता सालाना 6.75 लाख मीट्रिक टन थी। बाद में, विभिन्न चरणों में इसका विस्तार कर इसकी क्षमता सालाना 1.5 करोड़ मीट्रिक टन कर दी गई। बाद में, 1976 में कैल्टेज़्स रिफाइनरी और उसकी विपणन सुविधाओं का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया और 1978 में इसका एचपीसीएल में विलय कर दिया गया। वर्तमान में एचपीसीएल की विशाख रिफाइनरी में एलपीजी, प्रोपलीन, नेज़्था, मोटर स्पिरिट (एमएस), विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ), सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ), हाई स्पीड डीजल (एचएस डी), लाइट डीजल ऑयल (एलडीओ), लो सल्फर हैवी स्टॉक (एलएसएचएस), इंडस्ट्रियल ज़्यूल ऑयल (आई एफओ), बिटुमेन, सल्फर और वेरी लो सल्फर ज़्यूल ऑयल (वीएलएसएफओ) का उत्पादन होता है।

बाबरी बनेगी, हिम्मत है तो रोक लो... हुमायूं की खुली धमकी, ६ दिसंबर से जुटेंगे पांच लाख मुसलमान!

कोलकाता ०४/११ (संवाददाता): आम जनता उन्नयन पार्टी के नेता और नौदा (पश्चिम बंगाल) से विधायक हुमायूं कबीर ने एक बार फिर 6 दिसंबर को प्रस्तावित मस्जिद निर्माण स्थल पर बड़ा जलसा करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अड़चनों और राजनीतिक विरोध के बावजूद वह इस कार्यक्रम को हर हाल में आयोजित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस प्रोजेज़्ट को लेकर उन्हें न केवल भारत, बल्कि कई मुस्लिम देशों से भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। 3 नवंबर को दिए अपने बयान में हुमायूं कबीर ने कहा कि यह सिर्फ उनके क्षेत्र का मामला नहीं है, बल्कि यह देश और दुनिया के मुसलमानों के लिए एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यह पूरे भारत के मुसलमानों के लिए और वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश, ओमान, कतर, दुबई और सऊदी अरब जैसे देशों में रहने वाले मुसलमानों के लिए एक जज्बाती मुद्दा है। इन तमाम मुल्कों से लोगों ने मुझे बार-बार फोन करके हौसला दिया है।

वे कहते हैं कि आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, आप इसे जारी रखिए, हम आपके साथ खड़े हैं। इसलिए, जब तक मेरी सांसें चल रही हैं, मैं अल्लाह के इस घर का निर्माण पूरा करूंगा, और उसके बाद ही, इंशाअल्लाह, इस दुनिया से रुखसत होऊंगा।

कबीर ने दोहराया कि पिछले साल शुरू किए गए इस मस्जिद प्रोजेज़्ट की नींव को 6 दिसंबर को एक साल पूरा हो जाएगा। उनका कहना है कि इस दिन वे बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करेंगे और इस निर्माण कार्य को आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले उनके बयानों और राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥-12) को जाम करने की चेतावनियों को लेकर प्रशासन व विपक्षी दलों ने कड़ा रुख अपनाया था, लेकिन विधायक अपने फैसले पर अडिग नजर आ रहे हैं। उन्होंने परियोजना की समय-सीमा बताते हुए कहा कि इसकी नींव 6 दिसंबर, 2025 को रखी गई थी।

6 दिसंबर, 2026 को होने वाला कार्यक्रम, नींव रखे जाने के बाद पहले साल के पूरा होने का प्रतीक होगा। कबीर ने कहा कि उस दिन हाँ 5 लाख



लोग इकट्ठा होंगे, और मैं एक घोषणा करूँगा।

सब कुछ तय हो चुका है और लोगों को यहाँ आने के लिए बार-बार याद दिलाया जाएगा। उन्होंने इस मौके को चल रहे काम के दूसरे साल के रूप में बताया। राज्य प्रशासन के साथ तनाव और कानून-व्यवस्था को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर कबीर ने कहा हाँ कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी। इससे पहले, यहाँ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार थी। उन्होंने काफी अड़चनें पैदा की थीं। उनका कहना था कि बाबरी मस्जिद बनाने से कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो जाएगी।

कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए; इन सब बातों को पीछे छोड़ देना चाहिए। किसी और के नाम पर मस्जिद बनाई जाए, बाबरी मस्जिद नहीं होनी चाहिए, लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं था।

भविष्य की ओर देखते हुए, कबीर ने मस्जिद के लिए अपना दीर्घकालिक दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा कि मैं अल्लाह का शुक्र अदा करता हूँ कि उन्होंने मुझे जीवन दिया और इस काम को पूरा करने का मौका दिया। यहाँ के लोगों के दिलों में यही इच्छा है कि मस्जिद का निर्माण बहुत अच्छे ढंग से हो।

इसलिए, मैंने घोषणा की है कि 6 दिसंबर 2028 को, पूरी शान-ओ-शौकत और पूरे सज़्मान के साथ, यह मस्जिद दुनिया भर के मुसलमानों के लिए खोल दी जाएगी। कबीर ने इस परियोजना के पीछे एक प्रेरणा के रूप में 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस का भी जिक्र कियाः उस समय कई धर्मगुरु और विद्वान यहाँ आएँगे, लेकिन अभी इस बारे में बात करने की कोई ज़रूरत नहीं है।

6 दिसंबर आने में अभी एक महीने का समय है। 1992 में बाबरी मस्जिद को गिराए जाने से कई मुसलमानों को बहुत गहरा दुख पहुँचा था। उस दर्द को कम करने के लिए मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूँ और आगे भी करता रहूँगा। इंशाअल्लाह, मैं इसे पूरी तरह से पूरा करूँगा।

मस्जिद परियोजना और नेशनल हाईवे 12 को जाम करने की कबीर की हालिया धमकी ने राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है, जिसकी पश्चिम बंगाल और उज़र प्रदेश के नेताओं ने आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने हाईवे को अवैध रूप से जाम करने और विवादित नाम रखने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा न्याय संहिता के अनुसार, नेशनल हाईवे को जाम करना एक गैर-जमानती अपराध है। इसलिए, मैं विधायक से आग्रह करूंगा कि वे ऐसा न करें। बेहतर होगा कि वे %बाबर% नाम से बचें; उन्हें अपनी मस्जिद का नाम किसी और व्यक्ति के नाम पर रखना चाहिए, न कि बाबर के नाम से जोड़कर। पश्चिम बंगाल के राज्य मंत्री शंकर घोष ने कबीर की हरकतों की कड़ी निंदा करते हुए कहा ये ऐसे लोग हैं जिन्हें कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए।




विविध समाचार




उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन



रक्तचाप की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बढ़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कंफ्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

1. खाने में नमक की मात्रा कम कर दें- उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।

2. प्रोसेस्ड फूड न लें- प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।

3. तेल कम खाएं- जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।

4. अल्कोहल से बचें- शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।

5. कॉफी कम पीएं- कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।



6. धूम्रपान न करें- सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।

7. पशु उत्पाद लेना बंद कर दें- पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंडा और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।

8. खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें- साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।



सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

गंजेपन के शिकार

आए दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हो, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?



वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती है और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।



टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोंस में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गेन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरॉन नाम के यौन हॉर्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में पाया जाने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरॉन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोंस में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जींस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को आनुवांशिक भी माना जाता है।



फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पूरी तरह से गंजी होती? इसका जवाब टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए पाया जाता है। और जब ये महिलाओं में अधिक पाया जाता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरॉन नाममात्र के लिए पाया जाता है और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी स्राव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरॉन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अवसर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर



अक्सर लोग प्रदूषण और डस्ट से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रुमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धुएं, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पेल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि ये फेफड़े की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।

भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़



बच्चों के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर माता-पिता गुस्से में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉग्निटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आंकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।



कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

रेसिपी



हर्बड़ पनीर पराठा

सामग्री

मिक्स करके ताजा हर्ब भरावन बनाने के लिए: 1/4 कप बारीक कटी हुई सोआ भाजी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक , स्वाद अनुसार, **अन्य सामग्री**: 4 आधी-सेकी हुई गेहूं की रोटियां, **पकाने के लिए**: तेल, **परोसने के लिए**: ताजा लो-फैट दही

विधि

हर्बड़ भरावन के मिश्रण को 4 बराबर भागों में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए। एक आधी सेकी हुई रोटी को साफ सूखी सतह पर रखकर, भरावन मिश्रण के एक भाग को रोटी के आधे हिस्से पर रखिए और रोटी का दूसरा आधा हिस्सा मिश्रण के उपर मोड़ दीजिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर पराठा रखकर, ½ टी-स्पून तेल की मदद से, पराठे को दोनो तरफ सुनहरा से होने तक सेकिए। बाकी बची रोटियां और भरावन मिश्रण से 3 और पराठे बनाइए। ताजे लो-फैट दही के साथ गरमा गरम परोसिए।



राजस्थानी पुलाव

सामग्री

3 कप पके हुए चावल, 2 कप बेसन, एक कप दही, 5 आलू, 5 प्याज लम्बाई में कटे हुए, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 4 हरी मिर्च, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच गरम, मसाला पाउडर 2 लौंग, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच अजवायन, एक छोटा चम्मच राई, ड्राइ फ्रूट्स, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल, बारीक कटी धनिया

विधि

बेसन को बर्तन में छानकर इसमें थोड़ा लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, थोड़ा नमक और दही डालकर मिक्स करके गूंद लें। गुंदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई बनाएं। अब लोई को लंबा करके रोल्स तैयार करें। गैस पर बर्तन में पानी गर्म करें। इसमें बेसन के रोल्स डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। गैस बंद करके रोल्स को पानी से निकाल लें और इन्हें एक इंच मोटे टुकड़ों में काट लें। बेसन के गट्टे तैयार हैं। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें लौंग, हींग और राई डालकर तड़का लगाएं। इसके बाद तेल में प्याज डालकर फ्राई करें। जब प्याज सुनहरे हो जाएं तो इसमें हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं। अब हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और नमक ड्राइ फ्रूट्स डालकर एक मिनट पकाएं। इसके बाद चावल और बेसन के गट्टे डालकर चलाएं। अब चावल को 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं इसके बाद गैस बंद कर दें और चावल को एक मिनट के लिए ढक दें। राजस्थानी गट्टे वाला पुलाव तैयार है। इसे हरी धनिया से गार्निश करके दही या रायते के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।



प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता है और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

कलिंग समाचार



संपादकीय

जेन अल्फा ने उठानी शुरु की हक की आवाज

देश में जेन ज़ी के बाद अब जेन अल्फा का विरोध–प्रदर्शन और अपने हक के लिए आवाज उठाने का सिलसिला शुरु हो चुका है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड समेत कई राज्यों से तस्वीरें सामने आ रही हैं, जहां खस्ताहाल सरकारी स्कूलों या बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बच्चों ने सामने आकर विरोध करना शुरु कर दिया है। गौरतलब है कि 2010 या उसके बाद जन्म लेने वाले बच्चे जनरेशन अल्फा का हिस्सा हैं ये बच्चे पूरी तरह से इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक दौर में जन्मे हैं, लिहाजा तकनीकी तौर पर अपनी पिछली पीढ़ियों के मुकाबले ये कहीं ज्यादा सक्षम हैं।भारत में इस पीढ़ी के बच्चों की अनुमानित सं या 32.7 करोड़ से लेकर 41.7 करोड़ के बीच है। इसका मतलब यह है कि भारत की पूरी आबादी का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा केवल इसी उम्र वर्ग का है। आंकड़े बताते हैं कि 0 से 17 साल की उम्र वाले इन बच्चों की बदौलत भारत लंबे समय तक सबसे युवा आबादी वाला देश बना रहेगा। लेकिन हम खुशहाल, स्वस्थ, शिक्षित युवा देश बनने का गौरव हासिल करेंगे या संघर्षों वाला देश बन कर रह जाएंगे, यह आज का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनैतिक माहौल ही तय करेगा। फिलहाल जिस तरह के हालात सामने आ रहे हैं, उनसे जाहिर है कि बच्चों की शिक्षा, पोषण, उनके सर्वांगीण विकास के पैमानों पर सरकार पूरी तरह नाकाम नजर आ रही है। भारत शिक्षा पर अपनी अर्थव्यवस्था का 4.1प्रतिशत खर्च करता है। यह यूनेस्को के तय न्यूनतम 4प्रतिशत मानक से थोड़ा ज्यादा है। लेकिन सरकार के कुल खर्च में शिक्षा की हिस्सेदारी घटकर 14.2प्रतिशत रह गई है। यूनेस्को के मुताबिक यह हिस्सा कम से कम 15प्रतिशत होना चाहिए। 2015 में सरकार के कुल खर्च का 15.7प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होता था। लेकिन 11 साल बाद भी यह खर्च बढ़ा नहीं बल्कि कम ही हुआ है, तो यह दिखाता है कि सरकार शिक्षा को लेकर कितनी लापरवाह है। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बीते दिनों स्कूली बच्चों ने खराब और दलदल वाली कच्ची सड़क को पक्का करवाने की मांग को लेकर हाथों में तिरंगा लेकर लगभग 5 से 6 किलोमीटर पैदल मार्च किया और जिलाधीश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद प्रशासन को झुकना पड़ा। इसी तरह मध्यप्रदेश के विदिशा में बस किराया बढ़ने पर छात्राओं ने विधायक मुकेश टंडन से जवाब मांगा कि हर दिन 25 रुपए का किराया कैसे दें। छात्राओं ने कहा कि हमारी बड़ी बहनें जो पढ़ने के लिए विदिशा से रायसेन–भोपाल और कई जगहों पर जाती हैं, उन्हें बहुत अधिक किराया देना पड़ता है। हम पहले जो किराया पांच रुपए देते थे वो 25 रुपए हो गया है। ध्यान रहे कि हाल ही में विदिशा के ही ककरौआ गांव का मामला सामने आया, जहां बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए हर रोज बेतवा नदी पर बने चेक–डैम के करीब 10 कांक्रीट के खंभों को कूदकर पार करते थे और फिर हाईस्कूल जा पाते थे। इस खतरनाक रास्ते के पार करने का वीडियो सामने आया, खबर छपी तो प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया और महज एक दिन के भीतर गांव के स्कूल को अपग्रेड कर हाई स्कूल का दर्जा दे दिया। डेमोग्राफ़िक्स इस मामले से यह भी जाहिर होता है कि जनहित के लिए लिखी और बनाई गईं खबरें आज भी सरकार को एक्शन लेने पर मजबूर कर सकती हैं। हालांकि अब मीडिया की प्राथमिकताएं भी बदल गई हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर काफी हद तक सच्चाई सामने आ जाती है। विदिशा जैसा ही मामला उत्तराखंड के चौबट्टाखाल से सामने आया, जहां बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी के रास्ते स्कूल जाने को मजबूर हैं, क्योंकि साल भर पहले बारिश में बह गया पुल आज तक नहीं बना। गांव वालों की मांग पर भाजपा सरकार ने अब तक ध्यान नहीं दिया है। खस्ताहाल स्कूलों से बच्चों की जिंदगी पर संकट मंडराने की घटनाएं भी सामने आई हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बबलाद गांव में जिला परिषद स्कूल में छत का स्लैब गिरने से 13 छात्र घायल हो गए। इस घटना ने पिछले साल राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में हुए हादसे की याद दिलाई, जहां सरकारी स्कूल की जर्जर छत गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। हाल ही में उप्र के पीलीभीत के अमृता खास गांव में श्रीबालक राम सरस्वती शिशु मंदिर में क्लास के ऊपर लगी भारी–भरकम टीन की छत भरभरा कर नीचे आ गिरी, जिसमें बारह बच्चे और 2 शिक्षिकाएं दब गईं।

आंदोलनों की शक्ति–स्वतंत्रता संग्राम से जेन जी तक

अरुण कुमार डनायक

यूनियन और श्रमिक आंदोलन पूर्ववर्ती आंदोलनों की तरह यह छात्र आंदोलन भी कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण और गांधीवादी सत्याग्रह की तरह अहिंसक रहा तथा व्यवस्था की कमियों को सुधारने के लिए आगे आया। वर्तमान निराशाजनक राजनीतिक माहौल में जेन जी के इन निडर युवाओं ने बदलाव की उ मीद जगाई है। भारत का स्वतंत्रता दिवस अन्याय के विरुद्ध लोकतांत्रिक और अहिंसक संघर्ष की निरंतर जि मेदारी का प्रतीक है। भारत की स्वतंत्रता में अनेक धाराओं का योगदान रहा, पर गांधी के अहिंसक आंदोलनों ने जनसामान्य की ललक को व्यापक जनआंदोलन में बदल दिया। गांधी के नेतृत्व में असहयोग, दांडी मार्च, सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जनसहयोग से सफल रहे। भारत छोड़ो आंदोलन ने शीर्ष नेतृत्व की गिर तारी के बावजूद स्वतंत्रता की निर्णायक चेतना जगाई और ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी।

विदेश में अब तो अनगिनत इंडियन रेस्तरां खुल गए हैं। इनके नाम हिन्दी या उर्दू में होते हैं। भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों की जड़ें भक्ति आंदोलन में हैं, जब कबीर, नानक और रैदास ने सामाजिक रूढ़ियों व भेदभाव के विरुद्ध जनचेतना जगाई। किन्तु आज़ादी के पहले हुए आंदोलनों ने भी जातीय भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष को दिशा दी। 1927 के महाड सत्याग्रह में डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में दलितों ने चवदार तालाब से पानी पीकर सार्वजनिक जलस्रोतों पर अधिकार जताया। महात्मा गांधी की हरिजन यात्रा ने अस्पृश्यता के विरुद्ध जनमत और मंदिर प्रवेश व शिक्षा के अधिकारों के प्रति चेतना जगाई।

आजादी के बाद गांधी चाहते थे कि शासन समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज सुने और रचनात्मक कार्यक्रम को प्राथमिकता दे। संविधान ने नागरिकों को न्यायिक उपचार के साथ शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति का अधिकार भी दिया।

लेकिन व्यवस्था की सीमाओं से आकांक्षाएं पूरी न होने पर लोगों ने आंदोलनों का रुख किया। डॉ. राम मनोहर लोहिया के कांग्रेस हटाओ, देश बचाओ और %अंग्रेजी हटाओ% जैसे आंदोलनों ने आजाद भारत में राजनीतिक आंदोलनों को नई धार दी। इतिहास राजनीतिक आंदोलनों को पहली बड़ी सफलता छात्रों की भागीदारी से मिली। 1973–74 के गुजरात नव–निर्माण आंदोलन ने भ्रष्टाचार और महंगाई के विरोध में चिमनभाई पटेल सरकार को इस्तीफा देने पर मजबूर किया।

इससे उत्साहित बिहार के छात्रों ने 1974 में जयप्रकाश नारायण से राज्य के कुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। बाद में यही आंदोलन इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध व्यापक जनआंदोलन में बदल गया। जेपी ने पटना के गांधी मैदान से %संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। आंदोलन के दबाव में आपातकाल लगा, विपक्षी नेता जेल गए और प्रेस पर पाबंदियां लगीं—यह भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय माना गया। 1977 में पहली बार कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हुई और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना व लोकतांत्रिक सत्ता परिवर्तन हेतु इस आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व रहा। ज़्यादा जानें सामाजिक मुद्दे और हिमायत लोग और समाज शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

लेकिन पूरी तरह खुला है इसे खत्म करने का रास्ता चंडी प्रसाद भट्ट, सुंदरलाल बहुगुणा आदि के नेतृत्व में उत्तराखंड का %चिपको आंदोलन' (1973) जंगलों व पर्यावरण संरक्षण की व्यापक जनचेतना का माध्यम बना। नर्मदा बचाओ आंदोलन (1985) मेधा पाटकर के नेतृत्व में सरदार सरोवर बांध से प्रभावित किसानों, आदिवासियों और विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा के लिए शुरू हुआ। आंदोलन ने बड़े बांधों के सामाजिक–पर्यावरणीय प्रभावों पर राष्ट्रीय बहस छेड़ी। बांध निर्माण रोकने में असफल रहने पर भी आंदोलन ने सरकारों को विस्थापितों के मुआवजे व पुनर्वास के लिए दबाव में लाया और यह सवाल उठाया कि विकास की कीमत कौन चुकाए तथा प्रभावितों के अधिकार कैसे सुरक्षित हों?

1973–74 के गुजरात नव–निर्माण आंदोलन ने भ्रष्टाचार और महंगाई के विरोध में चिमनभाई पटेल सरकार को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। इससे उत्साहित बिहार के छात्रों ने 1974 में जयप्रकाश नारायण से राज्य के कुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। बाद में यही आंदोलन इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध व्यापक जनआंदोलन में बदल गया। जेपी ने पटना के गांधी मैदान से %संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। आंदोलन के दबाव में आपातकाल लगा, विपक्षी नेता जेल गए और प्रेस पर पाबंदियां लगीं—यह भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय माना गया।

वीपी सिंह सरकार द्वारा मंडल आयोग (1990) लागू करने के विरोध में छात्रों का व्यापक आंदोलन हुआ, जिसमें राजीव गोस्वामी सहित कुछ युवाओं ने आत्मदाह का प्रयास किया। मंडल के साथ उभरी %कमंडल' की राजनीति ने भारतीय राजनीति में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को भी गहरा किया। महिला आंदोलनों ने दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाने के साथ समान अधिकारों की मांग की। मुस्लिम महिलाओं के आंदोलनों ने गुज़ारा भत्ता, तीन तलाक और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श में प्रमुखता दी

श्रमिक आंदोलनों ने न्यायपूर्ण वेतन व श्रमिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया। भाषा के संसाधन ज़्यादा जानें खेल जगत अपडेट समाचार पत्र प्रकाशन भौगोलिक संदर्भ इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक के शुरुआती वर्षों में हुए निर्भया आंदोलन ने सरकार को यौन अपराधों के विरुद्ध कड़े कानून बनाने के लिए विवश किया तो अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले भ्रष्टाचार–विरोधी आंदोलन ने भ्रष्टाचार और लोकपाल के मुद्दे को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला दिया।

इसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उभार से लेकर केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार को मिली राजनीतिक चुनौती तक, भारतीय राजनीति में आंदोलनों के प्रभाव का एक नया दौर दिखाई दिया। आज देश में फिर आंदोलन का माहौल बन रहा है। 2020–21 में तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध चला लंबा किसान आंदोलन सरकार को कानून वापस लेने पर विवश कर गया और आंदोलनों की प्रभावशीलता का महत्वपूर्ण उदाहरण बना। इसके बाद %काकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले नई पीढ़ी परीक्षा व्यवस्था की अनियमितताओं और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर–मंतर पर एकत्रित हुई। गांधीवादी सोनम वांगचुक ने आंदोलन के समर्थन में 26 दिन की भूख हड़ताल की। अंततः 25 जुलाई 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया और सरकार ने आंदोलनकारियों की अन्य मांगें भी स्वीकार कर लीं। जेन ज़ी के आंदोलनों की विशेषता सोशल मीडिया, डिजिटल नेटवर्क और त्वरित जनसंचार का प्रभावी इस्तेमाल है। विकेंद्रीकृत नेतृत्व ने युवाओं को तेजी से जोड़ा, जो पारंपरिक दलों की केंद्रीकृत राजनीति से भिन्न है, और भविष्य में दलों की कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीतियों व सामाजिक–आर्थिक विमर्श को प्रभावित कर सकता है। जेन ज़ी का प्रभाव केवल युवाओं तक सीमित नहीं दिखता; प्रौढ़ मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं को प्रभावित करने की उसकी क्षमता सत्तारूढ़ दलों के लिए भविष्य की बड़ी राजनीतिक चिंता बन सकती है। राजनीति

पूर्ववर्ती आंदोलनों की तरह यह छात्र आंदोलन भी कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण और गांधीवादी सत्याग्रह की तरह अहिंसक रहा तथा व्यवस्था की कमियों को सुधारने के लिए आगे आया। वर्तमान निराशाजनक राजनीतिक माहौल में जेन ज़ी के इन निडर युवाओं ने बदलाव की उ मीद जगाई है।

इस आंदोलन ने आलोचकों और प्रदर्शनकारियों को भारत–विरोधी ताकतों से पोषित' बताने वाली सत्ता पक्ष की पुरानी बयानबाजी की धार भी कुछ कुंद की है। इस आंदोलन को लेकर कुछ सवाल और आशंकाएं भी हैं—क्या लड़कियों के लिए भी अभद्र भाषा उतनी ही स्वीकार्य हो सकती है जितनी लड़कों के लिए? क्या सरकार को छात्रों से पहले संवाद नहीं करना चाहिए था? और सबसे बड़ा सवाल—क्या जेन ज़ी स्थापित राजनीतिक दलों को पीछे धकेलकर सत्ता तक पहुंच पाएगी? वर्तमान के घाघ राजनीतिज्ञ सोशल मीडिया पर उससे मुकाबला कैसे करेंगे और उसकी अनुभवहीनता भविष्य में शासन के लिए चुनौती बनेगी? भारत की स्वतंत्रता का अहिंसक संघर्ष अनेक देशों के लिए उपनिवेशवाद से मुक्ति का उदाहरण बना, और गांधी की अहिंसा व सत्याग्रह आज भी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा है। लोकतंत्र में आंदोलनों का होना उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि नागरिक चेतना और शासन को जवाबदेह बनाए रखने की जीवंत शक्ति है। आंदोलनों की परंपरा बताती है कि स्वराज और लोकतंत्र चुनावों से नहीं, बल्कि नागरिकों की सतत भागीदारी और प्रतिरोध से जीवित रहते हैं।



युवाओं के लिए अच्छे काम का रास्ता मुश्किल

ज्ञान पाठक

नौकरियां खास तौर पर चिंताजनक बात मध्यम–कौशल वाली नौकरियों में कमी है, जो कभी सेकेंडरी स्कूल या टेक्निकल ट्रेनिंग के बाद अपनी पहली नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुरक्षित विकल्प हुआ करती थीं। युवाओं के लिए श्रम बाजार के इन प्रतिकूल नतीजों के साथ–साथ, एआई के बारे में भी चर्चा बढ़ रही है। युवाओं के लिए अच्छे काम का रास्ता मुश्किल है। युवाओं में बेरोज़गारी और नीट(जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं और न ही ट्रेनिंग ले रहे हैं) की दरें बढ़ रही हैं। कोविड–19 महामारी के बाद युवाओं के रोज़गार में जो सुधार देखा गया था, वह अचानक रुक गया है। हालात में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व अर्थव्यवस्था में बहुत ज़्यादा अनिश्चितता और कमज़ोरी है। विकास दर धीमी है, अनिश्चितता ज़्यादा है, महंगाई का दबाव बना हुआ है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नए जोखिम सामने आ रहे हैं। इनमें से कोई भी बात युवाओं के लिए अच्छी नहीं है।

अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोट %ग्लोबल ए प्लॉयमेंट ट्रेंड्स फॉर यूथ 2026ः बैक टू द यूचर% ने इस गंभीर स्थिति को उजागर किया है और नौकरियों की सं या और गुणवत्ता, दोनों ही मामलों में युवाओं के रोज़गार में हालिया गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। प्रशिक्षण और प्रमाणन 2023 में दो दशकों से ज़्यादा समय में सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद, 15 से 24 साल के युवाओं में वैश्विक बेरोज़गारी दर 2025 में बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई, जिसका मतलब है कि दुनिया भर में 6.7 करोड़ युवा बेरोज़गार हैं।

जो न तो नौकरी कर रहे हैं, न पढ़ाई कर रहे हैं और न ही ट्रेनिंग ले रहे हैं (नीट), वह भी फिर से बढ़ रही है। यह 2023 में 19.7 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि 2023 के बाद से नीट श्रेणी में 90 लाख और युवा शामिल हुए हैं, जिससे 2025 में इनकी कुल सं या 25.7 करोड़ हो गई है। ज़्यादा युवाओं के इसमें शामिल होने और युवाओं के इस स्थिति से बाहर निकलने में मुश्किल होने के कारण, युवाओं में नीट दर का बढ़ता रूझान खास तौर पर चिंताजनक है। छात्रों ने कई मुद्दों पर बुनियादी बदलाव का मैसेज दिया 2023 और 2025 के बीच 11 में से 8 उप–क्षेत्रों के साथ–साथ ज़्यादा आय, कम–मध्यम आय और कम आय वाले देशों में भी युवाओं की बेरोज़गारी दर बढ़ी है। सबसे ज़्यादा बढ़ोतरी उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में देखी गई। मध्य और पश्चिमी एशिया, पूर्वी यूरोप और ऊपरी–मध्यम आय वाले देशों में, युवाओं की बेरोज़गारी दर में कमी की %अच्छी खबर% नीट (पढ़ाई, काम या ट्रेनिंग में शामिल न होना) स्थिति वाले युवाओं की सं या में बढ़ोतरी से फीकी पड़ गई। हालांकि लैटिन अमेरिका और कैरिबियन एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जहां युवाओं की बेरोज़गारी दर और नीट दर दोनों में कमी देखी गई, लेकिन आगे के विश्लेषण से पता चला कि इसके नतीजे आंशिक रूप से युवाओं की घटती आबादी के कारण थे और इस उप–क्षेत्र के ज़्यादातर देशों में युवा श्रम बाजार की भागीदारी में खराब रुझान दिखे।

दुनिया के लगभग सभी उप–क्षेत्रों में नीट की चुनौती का एक महिला चेहरा है। 2025 में भी, नीट स्थिति वाले हर तीन युवाओं में से दो से ज़्यादा महिलाएं थीं और 27.4 प्रतिशत के साथ, युवा महिलाओं की नीट दर युवा पुरुषों (13.1 प्रतिशत) की तुलना में दोगुनी से भी ज़्यादा थी। वैश्विक स्तर पर, 2023 के बाद से नीट दर में बढ़ोतरी युवा पुरुषों की तुलना में युवा महिलाओं के लिए थोड़ी ज़्यादा तेज़ी से हुई (जो क्रमशः 0.5 प्रतिशत अंक और 0.2 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी थी), जिससे जेंडर गैप और बढ़ गया। काम और श्रमिक समस्याएं यह आज के युवाओं के लिए आगे आने वाली मुश्किल राह की ओर इशारा करता है क्योंकि वे अच्छा काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अभी भी लाखों युवा – मु य रूप से युवा महिलाएं– ऐसी हैं जिन्हें रोज़गार, शिक्षा या ट्रेनिंग नहीं मिल रही है। इससे भी बुरी बात यह है कि यह सं या बढ़ रही है। ज़्यादा जानें कैरियर संसाधन और योजना निर्माण अर्थशास्त्र मानव संसाधन यह रिपोर्ट अपर्याप्त नौकरी सृजन से बढ़ते दबावों के बारे में चेतावनी देती है, जो ज़्यादा से ज़्यादा युवाओं को निष्क्रियता, लंबे समय तक नौकरी की तलाश (जिससे निराशा हो सकती है) या अनौपचारिक रोज़गार की ओर धकेल रहे हैं। अक्सर, युवा खुद को ऐसी नौकरियों में पाते हैं जो उनकी योग्यता या आकांक्षाओं से मेल नहीं खातीं, या जो आय की असुरक्षा को कम करने के लिए ज़रूरी लेबर और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहती हैं। मुआवज़े और लाभ खास तौर पर चिंताजनक बात मध्यम–कौशल वाली नौकरियों में कमी है, जो कभी सेकेंडरी स्कूल या टेक्निकल ट्रेनिंग के बाद अपनी पहली नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुरक्षित विकल्प हुआ करती थीं। युवाओं के लिए श्रम बाजार के इन प्रतिकूल नतीजों के साथ–साथ, एआई के बारे में भी चर्चा बढ़ रही है। हालांकि नौकरियों पर इसके प्रभाव के सुबूत अभी भी अनिश्चित हैं, लेकिन हमें लापरवाह नहीं होना चाहिए और रिपोर्ट में बताए गए जोखिमों को कम करके नहीं आंकना चाहिए। युवाओं में चिंता का स्तर बहुत ज़्यादा है। श्रम बाजार में अस्थिरता से जुड़े नुकसानों को देखते हुए – जिनमें युवाओं की भलाई और लंबे समय में उनकी उत्पादकता और कमाई की संभावनाओं पर असर शामिल है – यह रिपोर्ट कार्रवाई करने का एक आह्वान है। ज़्यादा जानें नौकरी सूची अखबार प्रादेशिक समाचार जहां युवाओं के रोज़गार में ठहराव आया है या कमी आई है, वहीं वयस्कों के रोज़गार में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक स्तर पर युवाओं की बेरोज़गारी दर 2023 में 12.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 12.4 प्रतिशत हो गई, जबकि वयस्कों (25 वर्ष और उससे अधिक उम्र) की दर 3.7 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत हो गई। इन अलग–अलग रुझानों के कारण युवाओं और वयस्कों की बेरोज़गारी दरों का अनुपात बढ़ गया है (2025 में यह 3.4 था), जो यह संकेत देता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए युवा टैलेंट को काम पर रखने में मुश्किलें बढ़ रही हैं। पूर्वी एशिया, उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप और दक्षिणी एशिया में युवाओं और वयस्कों की बेरोज़गारी दरों का अनुपात बढ़ा है। गणित यह रोज़गार (वेतन–आधारित रोज़गार) से जुड़ी नीतियों के क्षेत्र में और अधिक काम करने की तत्काल आवश्यकता और मज़दूरों व सामाजिक सुरक्षा के बारे में एक स्पष्ट संदेश देता है, ताकि युवाओं को भरोसा दिलाया जा सके कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।



विविध समाचार



किसान और महिलाएं छत्तीसगढ़ के आर्थिक एवं सामाजिक जनजीवन के महत्वपूर्ण आधार-साय

०शासकीय योजनाओं से किसान और महिलाओं का भी हो रहा चहूंमुखी विकास

जशपुरनगर : मुज़्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के ग्राम पंचायत नारायणपुर में आयोजित किसान महतारी सज़्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मुज़्यमंत्री साय ने प्रदेश के किसान एवं महिलाओं को नमन करते हुए उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सज़्मानित किया। साथ ही नारायणपुर सहित आसपास क्षेत्र के लोगों की सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा भी की। इसमें नारायणपुर खेल मैदान में स्टेडियम और ज़्लड लाइट, नगर वन शिव मंदिर में मंगल भवन, नारायणपुर अटल चौक से औघड़ा आश्रम तक सोलर लाइट, नारायणपुर में पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास निर्माण एवं काराखेड़का में छठ घाट निर्माण की घोषणा शामिल है। इस अवसर पर विज़मंत्री ओ पी चौधरी, विधायक गोमती साय और रायमुनी भगत, प जागेश्वर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष जशपुर अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कृष्ण कुमार राय, विजय आदित्य प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह, दुलारी सिंह एवं मलिता बाई , जनपद पंचायत अध्यक्ष दुलदुला राजकुमार सिंह, सुनील गुप्ता, मुकेश शर्मा, मनीष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार सहित जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर मुज़्यमंत्री साय ने कहा कि किसान और महिलाएं छज़ीसगढ़ के आर्थिक एवं सामाजिक जनजीवन के प्रमुख आधार है।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विभिन्न वर्गों सहित किसान एवं महिलाओं का भी चहूंमुखी विकास हो रहा है। प्रदेश के किसान प्रधानमंत्री किसान सज़्मान निधि, धान खरीदी योजना सहित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। इसी प्रकार प्रदेश की विवाहित महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह 1 हजार रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। 21 माह से यह राशि दी जा रही है, यह आगे भी जारी रहेगी। महतारी वंदन योजना से अकेले जशपुर जिले में 2 लाख 29 हजार माताएं-बहनें लाभान्वित हो रहीं हैं। इन्हें अब तक 427 करोड़ रूपये से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में धान खरीदी जोर शोर से जारी है। सभी पंजीकृत किसानों से सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी की जा रही है। इसके लिए सभी केंद्रों में पर्याप्त इंतजाम किए गए है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की मान से धान की खरीदी की जा रही है। साथ ही किसानों को 3100 रूपये प्रति क्विंटल धान का दाम मिल रहा है। प्रदेश के करीब 26 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सज़्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जशपुर जिले के करीब 72 हजार किसानों को हर साल 6 हजार रूपये सज़्मान निधि दी जा रही है। जशपुर जिला संभावनाओं का गढ़ बनता जा रहा है। जशपुर की जलवायु ऐसी है कि यहाँ चाय, कॉफी, काजू, ड्रैगन ज़्रूट, मसालों और सेब की खेती के बड़े अवसर हैं। सरकार इस दिशा में तकनीक, प्रशिक्षण और अनुदान उपलज़्ध करा रही है। जशप्योर ब्रांड की पहुंच अब देश-विदेश तक हो रही है। इसके अंतर्गत महुआ लड्डू, चिरौंजी एवं अन्य वन उत्पादों का प्रसंस्करण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जशपुर में अधोसंरचना के भी विभिन्न कार्य किया जा रहे हैं। यहां के युवाओं के तीरंदाजी सीखने की बहुत ललक है, इसको देखते हुए सन्ना पंडरापाठ में 20 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी का निर्माण किया जा रहा है

साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए मेडिकल कॉलेज भी निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर विज़ मंत्री श्री ओपी चौधरी ने मुज़्यमंत्री साय के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों को रेखांकित किया। किसान महतारी सज़्मेलन में किसान एवं महिलाओं को सज़्मानित किया गया। इसके तहत कृषक समृद्धि योजना के तहत नलकूप खनन हेतु पोलीकार्प कूजूर को 25 हजार रूपए, राजकिशोर और शिवप्रसाद साय को 18-18 हजार रूपए का अनुदान राशि का चेक प्रदान किया। इसी तरह प्रधानमंत्री फ्सल बीमा योजना के तहत शंकर लाल टोप्पो को 01 लाख 19 हजार 65 रूपए, इंद्रप्रताप को 01 लाख 31 हजार 455 रूपए एवं रंजीत को 01 लाख 12 हजार 955 रूपए का बीमा राशि का चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किया। राष्ट्रीय खाद सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत राजकुमार और लवकुश को सिंचाई पाईप हेतु 50 प्रतिशत अनुदान का प्रमाण पत्र वितरण किया। इसी प्रकार नारायणपुर की कमल स्व-सहायता समूह को 4 लाख रुपए बैंक लिंकेज, ग्राम मटासी के जीवन दीप स्व-सहायता समूह को 3 लाख रुपए एवं ग्राम रानीकोज़्ो के संगम स्व-सहायता समूह को 1 लाख रुपए की बैंक लिंकेज राशि प्रदान किया गया। साथ हीसुभद्रा यादव वृन्दावती बाई, अंजू यादव एवं संगीता बाई को गाय पालन, कपड़ा दुकान एवं फास्ट फूड व्यवसाय में उल्लेखनीय योगदान के लिए सज़्मानित किया गया।

यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलज़्ध कराने की पहल

बिलासपुर : शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफ्र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलज़्ध कराने हेतु बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर के मध्य 5-5 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संज़्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 02 दिसज़्बर 2025 से 30 दिसज़्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संज़्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु) -बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 03 दिसज़्बर 2025 से 31 दिसज़्बर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है गाड़ी संज़्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को बिलासपुर से 11.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 11.38 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, रायपुर आगमन 12.45 बजे, प्रस्थान 12.50 बजे, दुर्ग आगमन 14.20 बजे, प्रस्थान 14.25 बजे, राजनादगाँव आगमन 14.48 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, गोंदिया आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.35 बजे, वडसा आगमन 17.57 बजे, प्रस्थान 17.59 बजे, चांदाफेर्ट आगमन 19.43 बजे, प्रस्थान 19.45 बजे, बल्लारशाह आगमन 20.20 बजे, प्रस्थान 20.30 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 21.30 बजे, प्रस्थान 21.32 बजे, मंचिर्याल आगमन 22.10 बजे, प्रस्थान 22.12 बजे, काजीपेट आगमन 23.45 बजे, प्रस्थान 23.47 बजे तथा दूसरे दिन बुधवार को चर्लपल्ली आगमन 01.53 बजे, प्रस्थान 01.55 बजे, सिकंदराबाद आगमन 02.20 बजे, प्रस्थान 02.30 बजे, लिंगमपल्ली 03.15 बजे, प्रस्थान 03.17 बजे, विकाराबाद आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, तांडूर आगमन 04.50 बजे, प्रस्थान 04.52 बजे, यादगीर आगमन 07.08 बजे, प्रस्थान 07.10 बजे, कृष्णा जंज़्शन आगमन 08.20 बजे, प्रस्थान 08.30 बजे, रायचूर आगमन 08.58 बजे, प्रस्थान 09.00 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 09.28 बजे, प्रस्थान 09.30 बजे, गुंटकल आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, गुज़ी आगमन 11.53 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, अनंतपुर आगमन 12.53 बजे, प्रस्थान 12.55 बजे, धर्मवरम आगमन 13.55 बजे, प्रस्थान 14.00 बजे होते हुये 18.30 बजे यलहंका पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संज़्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को यलहंका से 21.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन गुरुवार को धर्मवरम आगमन 00.28 बजे, प्रस्थान 00.30 बजे, अनंतपुर आगमन 01.03 बजे, प्रस्थान 01.05 बजे, गुज़ी आगमन 02.03 बजे, प्रस्थान 02.05 बजे, गुंटकल आगमन 03.00 बजे, प्रस्थान 03.10 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 04.13 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, रायचूर आगमन 04.48 बजे, 04.50 बजे, कृष्णा जंज़्शन आगमन 05.20 बजे , प्रस्थान 05.30 बजे, यादगीर आगमन 06.38 बजे, प्रस्थान 06.40 बजे, तांडूर आगमन 08.38 बजे, प्रस्थान 08.40 बजे, विकाराबाद आगमन 09.33 बजे, प्रस्थान 09.35 बजे, लिंगमपल्ली आगमन 10.30 बजे, प्रस्थान 10.32 बजे, सिकंदराबाद आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, चर्लपल्ली आगमन 11.43 बजे, प्रस्थान 11.45 बजे, काजीपेट आगमन 13.20 बजे, प्रस्थान 13.22 बजे, मंचिर्याल आगमन 15.10 बजे, प्रस्थान 15.12 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 16.10 बजे, प्रस्थान 16.12 बजे, बल्लारशाह आगमन 19.30 बजे, प्रस्थान 19.40 बजे, चांदाफेर्ट आगमन 19.55 बजे, प्रस्थान 19.57 बजे, वडसा आगमन 21.38 बजे, प्रस्थान 21.40 बजे, गोंदिया आगमन 23.20 बजे, प्रस्थान 23.30 बजे, तीसरे दिन शुक्रवार को डोंगरगढ़ आगमन 00.28 बजे, प्रस्थान 00.30 बजे, राजनादगाँव आगमन 00.55 बजे, प्रस्थान 00.57 बजे, दुर्ग आगमन 01.40 बजे, प्रस्थान 01.45 बजे, रायपुर आगमन 02.25 बजे, प्रस्थान 02.30 बजे, भाटापारा आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.27 बजे होते हुये 04.30 बजे बिलासपुर पहुंचेगी इस शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 03 सामान्य, 04 स्लीपर, 02 एसी-३ इकोनामी, 08 एसी-३, 01 एसी -२ तथा जनरेटर कार सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलज़्ध रहेगी

रेलवे पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 5 साल की अपहृत बच्ची बरामद, अगवा करने वाली आरोपी गिरफ्तार

रायपुर : जीआरपी रायपुर ने 5 वर्षीय अपहृत बच्ची को सुरक्षित बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है. इस मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को नादगा बीज (मध्यप्रदेश) से गिरज़्तार कर लिया है. दरअसल, 17 नवंबर 2025 को तड़के करीब 3 बजे एक दंपज़ि अपनी 5 वर्षीय बच्ची के साथ रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर सो रहा था. इसी दौरान बच्ची अचानक लापता हो गई. परिजनों ने तुरंत जीआरपी रायपुर को इसकी सूचना दी, जिसके बाद शासनकीय रेल पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की. जीआरपी टीम ने स्टेशन परिसर के विभिन्न हिस्सों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले. फुटेज में एक संदिग्ध महिला बच्ची को लेकर स्टेशन से बाहर जाती दिखाई दी. इसके बाद पुलिस ने महिला की पहचान ज्योति देवी पति जसवीर सिंह, उम्र 40 वर्ष, निवासी थाना नागदा बीज (म.प्र.) के रूप में की और उसके संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई. कई राज्यों में की गई तलाश संदिग्ध महिला का लोकेशन ट्रेस कर पुलिस टीम ने लगातार इंदौर, उज्जैन, नागदा सहित मध्य प्रदेश के कई इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया. आखिरकार, 27 नवंबर की सुबह जीआरपी रायपुर को सफलता मिली और बच्ची को सुरक्षित बरामद करते हुए आरोपी महिला को गिरज़्तार कर लिया गया. पूछताछ में सामने आया कि आरोपी महिला बच्ची को अपने साथ अलग-अलग स्थानों पर लेकर जाती रही. पुलिस ने तत्काल बच्ची को सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया. इन धाराओं में केस दर्ज आरोपी के खिलाफ अपहरण से जुड़े गंभीर अपराधों—धारा 137(2) एवं 142 रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

विगत 25 वर्षों में दुर्ग जिले के कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति

रायपुर : दुर्ग जिले के कृषि विभाग ने आदानों की उपलज़्धता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता रही है। वर्ष 2025 में 50,762 क्विंटल बीज वितरित किया गया, जो पिछले 25 वर्षों की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार उर्वरकों का वितरण भी बढ़कर 89,632 मीट्रिक टन तक पहुंचा, जिसमें 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बीज उत्पादन के क्षेत्र में भी जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। खरीफ में 76,764 क्विंटल और रबी में 9,026 क्विंटल बीज का उत्पादन किया गया, जो पूर्व तुलना में उल्लेखनीय बढ़ोतरी है। इन प्रयासों से किसानों को स्थानीय स्तर पर गुणवज़ापूर्ण बीज उपलज़्ध होने लगे हैं, जिससे कृषि कार्यों की दक्षता और उत्पादन क्षमता में निरंतर सुधार हुआ है। वर्ष 2025 में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से कुल 1,06,659 कृषकों को लाभान्वित किया गया है, जो पिछले 25 वर्षों की तुलना में लगभग दस गुना अधिक है। यह उपलज़्धि इस बात का संकेत है कि सरकारी सहायताएँ अब अधिक व्यापक और प्रभावी रूप से किसानों तक पहुँच रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सज़्मान निधि योजना के अंतर्गत जिले के 80,230 किसानों को 340.24 करोड़ रुपये की राशि सीधे आधार-सत्यापित बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है, जिससे योजना में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

विगत 25 वर्षों में कृषि विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलज़्धियाँ दर्ज की हैं, जिनका सकारात्मक असर जिले की कृषि अर्थव्यवस्था और किसानों के जीवन स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वर्ष 2025 के दौरान खरीफ और रबी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खरीफ फसल का क्षेत्राच्छादन 1,46,276 हेज़्टेयर तक पहुँच गया है, जो पिछले 25 वर्षों की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है, वहीं रबी फसल का क्षेत्र 53,660 हेज़्टेयर रहा, जिसमें 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उत्पादन के स्तर पर भी जिले का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा है। खरीफ फसल का कुल उत्पादन 7.20 लाख मीट्रिक टन रहा, जो 53 प्रतिशत अधिक है, जबकि रबी उत्पादन 84 हजार मीट्रिक टन तक पहुँच गया, जो 43 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। उत्पादकता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है—खरीफकी उत्पादकता 4922 किलोग्राम प्रति हेज़्टेयर और रबी की उत्पादकता 1565 किलोग्राम प्रति हेज़्टेयर रही, जो क्रमश: 48 और 34 प्रतिशत अधिक है। फसल सघनता भी बढ़कर 133 प्रतिशत हो गई है, जो 25 वर्षों की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि है। किसानों को उच्च गुणवज़ा वाले कृषि

मुख्यमंत्री ने कुज़्हार समाज के विष्णु महायज्ञ चक्र पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए

जशपुरनगर : मुज़्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी विकास खंड के ग्राम नारायणपुर में कुज़्हार समाज के द्वारा आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ, चक्र पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए और पूजा अर्चना कर प्रदेश के सुख समृद्धि खुशहाली की कामना की।

उन्होंने कुज़्हारों को इलेज़्ट्रानिक चाक का वितरण किया। इस अवसर पर विज़ मंत्री ओ पी चौधरी, विधायक श्रीमती गोमती साय और रायमुनी भगत, पद्म जागेश्वर यादव, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शज़्भू राम चक्रवर्ती,जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष जशपुर अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका जशपुर उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कृष्ण कुमार राय, विजय आदित्य प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह, दुलारी सिंह एवं मलिता बाई , जनपद पंचायत अध्यक्ष दुलदुला राजकुमार सिंह, सुनील गुप्ता, मुकेश शर्मा, मनीष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार सहित जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण मौजूद रहे। मुज़्यमंत्री ने ग्राम गोरिया में माटी कला बोर्ड के माध्यम से कुज़्हारों के लिए ग्लेजिंग यूनिट स्थापित करने घोषणा की और कुज़्हार समाज के मंगल भवन विस्तार के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की है। उन्होंने माँ रतनेश्वरी की जय रूद्रपाल देव की जय कर सभी को नमस्कार और जय जोहार करते हुए अपने सज़्बोधित में सबसे पहले संसार के रचियता और पालनहार भगवान विष्णु को प्रणाम किए और पूरे छज़ीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि आज पावन ग्राम नारायणपुर में कुज़्हार समाज द्वारा आयोजित विष्णु महायज्ञ का यह पवित्र अवसर हमारी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। इस महायज्ञ में चक्र पूजा का आयोजन विशेष रूप से प्रेरणादायक है, जो हमारे कुज़्हार समाज की गहन परंपराओं को दर्शाता है। मैं इस आयोजन में पहले भी आपके बीच आता रहा हूँ। जब भी इस कार्यक्रम में आता हूँ, मुझे नयी ऊर्जा मिलती है।

चक्र पूजा न केवल मिट्टी के चक्र की आराधना है, बल्कि यह सृष्टि के निर्माण, मेहनत और रचनात्मकता का प्रतीक है। विष्णु महायज्ञ जैसे आयोजनों में आपकी भूमिका हमें याद दिलाती है कि कुज़्हार समाज प्रजापति की संतान के रूप में सृष्टि रचना में योगदान देता है और आज का यह कार्यक्रम उसकी जीवंत अभिव्यक्ति है।

ठीक वैसे ही जैसे हमारे कुज़्हार भाई-बहन पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिट्टी को आकार देकर आकर्षक मूर्तियों से लेकर घर के लिए उपयोगी वस्तुएँ और कलात्मक वस्तुएँ बनाते आए हैं। कुज़्हार समाज हमारी छज़ीसगढ़ी संस्कृति का अभिन्न अंग है। आप लोग मिट्टी की कला में महारत रखते हैं। आपकी मेहनत न केवल घरेलू जरूरतें पूरी करती हैं, बल्कि तीज-त्योहारों और हमारे धार्मिक अनुष्ठानों को जीवंत बनाती हैं। हमारी सरकार कुज़्हार समाज की इस अनमोल विरासत को संरक्षित और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। छज़ीसगढ़ माटी कला बोर्ड का गठन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कुज़्हार भाई-बहनों के तकनीकी विकास, विज़ीय सहायता और उत्पादों की मार्केटिंग के लिए कार्यरत है। बोर्ड की योजनाओं के तहत हम परंपरागत चक्र को आधुनिक बनाने पर जोर दे रहे हैं। हम इलेज़्ट्रिक चॉक (इलेज़्ट्रिक पॉटर व्हील) का वितरण कर रहे हैं, जिससे मेहनत कम होती है और उत्पादन तेजी से बढ़ता है। आज इस कार्यक्रम के दौरान में सरगुजा संभाग में हमारे कुज़्भकार भाइयों को चॉक का वितरण किया जा रहा है। राजधानी रायपुर सहित सभी जिलों में ग्लेजिंग यूनिट स्थापित किए जा रहे हैं.

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, गुरुवार 05 नवम्बर 2026 | पृष्ठ-6

वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव की तीसरी शाम : शास्त्रीय संगीत की बेहतरीन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया



राउरकेला ०४/११ (संवाददाता): भंज भवन के ओपन-एयर मंच पर आयोजित 29वें वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव-2026 की तीसरी शाम, शास्त्रीय संगीत की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि शास्त्रीय संगीत, नृत्य और लोक नृत्य के राष्ट्रीय स्तर के इस पांच दिवसीय आयोजन में देश भर से आए जाने-माने कलाकारों द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां दी जाती हैं। तीसरी शाम को राउरकेला के माननीय विधायक श्री शारदा प्रसाद नायक मुज़्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि श्रीमती नम्रता वर्मा (अध्यक्ष, दीपिका महिला संगति), श्री विश्व रंजन पलाई (कार्यकारी निदेशक, वर्क्स डिपार्टमेंट, आरएसपी) और डॉ. श्रीमती प्रतिज्ञा पलाई (उपाध्यक्ष, दीपिका महिला संगति) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में, श्री नायक ने इतने भव्य आयोजन के लिए आयोजकों की भरपूर सराहना की। श्रीमती वर्मा ने समाज के सर्वांगीण विकास में नृत्य और संगीत के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री पलाई ने अपने संबोधन में कहा कि राउरकेला जैसे शहर में राष्ट्रीय स्तर के नृत्य और संगीत महोत्सव का आयोजन होने से शहर को एक नई पहचान मिली है।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु बीनापानी रथ के निर्देशन में भंज कला केंद्र के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मधुर ओडिसी गायन से हुई। इस शाम, दो प्रज्यात कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया- गुरु डॉ. हिमांशु शेखर स्वाई —जो ओडिसी संगीत के एक जाने-माने संगीतकार हैं और जिन्होंने देश-विदेश में ओडिसी संगीत को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है—और कोलकाता की प्रमुख हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका गुरु मोहिनी मजूमदार, जिन्होंने दुनिया भर में अपनी गायकी से ज्याति अर्जित की है। गुरु मोहिनी मजूमदार ने हिंदुस्तानी रागों की अपनी मधुर प्रस्तुति से दर्शकों को पूरी तरह बांध लिया। ओडिसी संगीत खंड में, गुरु रतिक पात्रा ने हारमोनियम पर संगत दी, जबकि गुरु दीपक नायक ने मंजीरा बजाकर सहयोग किया।

हिंदुस्तानी रागों की प्रस्तुति के दौरान, प्रसिद्ध तबला वादक डॉ. तपस पाल ने गुरु मोहिनी मजूमदार का साथ दिया। इससे पहले, गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी इस शाम सज़्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में, प्रज्यात साहित्यकार और रेवेनशॉ यूनिवर्सिटी के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रफुल्ल कुमार मोहंती को ओडिया साहित्य को समृद्ध करने में उनके विशिष्ट योगदान के लिए वेदव्यास साहित्य सज़्मान से नवाजा गया।

भंजा कला केंद्र के अध्यक्ष श्री शुभ शंकर रायचौधरी ने अपने स्वागत भाषण में संस्था की लंबी और गौरवशाली यात्रा के साथ-साथ ओडिसी संगीत, ओडिसी नृत्य और पारंपरिक लोक नृत्यों को बढ़ावा देने और उनके प्रसार में संस्था के योगदान पर प्रकाश डाला। भंजा कला केंद्र के महासचिव श्री राधाकृष्ण महापात्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। आरएसपी के एसएमएस-2 विभाग के सहायक प्रबंधक श्री शशांक शेखर पटनायक ने कार्यक्रम का समन्वय किया। श्री विवेकानंद परिडा, श्री ज्योतिर्मय आचार्य, श्री पंचानन मल्लिक, श्री सुब्रत सतपथी, श्री संतोष रथ, श्री गजेंद्र मुर्मू, श्री बसंत साहू, सुश्री कनक लता मिश्रा, श्री प्रदीप कुमार गौड़ा और श्री प्रवीण पात्रा ने कार्यक्रम का प्रबंधन संभाला।

दस्तावेज से बनाते थे फर्जी सिम कार्ड, साइबर क्राइम में इस्तेमाल का शक, तीन गिरफ्तार



भुवनेश्वर ०४/११ (संवाददाता): ओडिशा पुलिस ने गुरुवार को ग्राहकों के पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल करके फर्जी सिम कार्ड बनाने और बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरज़्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संबलपुर जिला पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरज़्तार किया, उनकी पहचान सूरज बाग (24), मालती ओराम उर्फ़ माला (29) और पापू उर्फ शेख परवेज (32) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने 22 सितंबर, 2026 को संबलपुर साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज केस नंबर 34/26 की जांच के दौरान इस रैकेट का पता लगाया।आरोप है कि ये लोग ग्राहकों के पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल करके एक ही नंबर पर कई सिम कार्ड बनाते थे। एक सिम तो ग्राहक को दे दिया जाता था, जबकि बाकी सिम अपने पास रखकर दूसरों को बेच दिए जाते थे। जांच में पता चला कि इनमें से कुछ सिम कार्ड का इस्तेमाल झारखंड के जामताड़ा में साइबर अपराधों के लिए किया जा रहा था। पुलिस को यह भी पता चला कि रैकेट से हुई कमाई को इसमें शामिल लोगों के बीच बांट लिया जाता था। जज़्त की गई चीजों में चार मोबाइल फोन, चार एज़्टिव सिम कार्ड, 120 सीलबंद खाली एयरटेल सिम कार्ड, तीन बैंक पासबुक, एक चेक बुक, एक आधार कार्ड, एक फोनपे ज़्यूआर कोड स्कैनर, चार हलफनामे, घर किराए पर लेने का एग्रीमेंट, 10 एयरटेल पैज़्फलेट और चार एयरटेल 5जी प्लस साइनबोर्ड शामिल हैं। पुलिस इस मामले में शामिल अन्य लोगों, बनाए और सप्लाई किए गए सिम कार्ड की संज़्या, सिम कार्ड लेने वालों और इसमें शामिल पैसों के बारे में पता लगाने के लिए जांच कर रही है। पुलिस जामताड़ा से कथित संबंधों की भी जांच कर रहे हैं, जो जांच का एक मुज़्य केंद्र बनकर उभरा है। अधिकारियों ने बताया कि फर्जी और धोखाधड़ी से हासिल किए गए सिम कार्ड उन मुज़्य साधनों में से हैं जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी धोखाधड़ी करने के लिए करते हैं।

हाथियों से आतंक से किसान परेशान, दहशत में हैं ग्रामीण

राउरकेला ०४/११ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के लाठीकटा तथा सबडेगा ज़्लॉक में 81 हाथियों के झुंड ने आतंक मचा रखा है। हाथियों के द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने से किसानों की नींद हराम हो गई है। वन विभाग की ओर से इन्हें खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा हैए लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। लाठीकटा ज़्लॉक में 41 हाथियों के होने से बुचा हांडाए डाइटोलाए रेलापोषए बिरुआल क्षेत्र के लोग हाथियों से आतंकित हैं।सबडेगा ज़्लॉक में 40 हाथियों का झुंड है।

वन विभाग की ओर से हाथियों पर नजर रखने के साथ ही गांवों की ओर उन्हें आने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। लाठीकटा ज़्लॉक के बीरकेरा पंचायत क्षेत्र में तीन दिन से 41 हाथियों के झुंड देखा जा रहा है।

इनके झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के जंगल से इस ओर आने का अनुमान लगाया जा रहा है।इस क्षेत्र में पहले से 21 हाथी थे एवं 20 हाथी और इस झुंड में शामिल हो गए। तीन दिन से बिरुआल गांव के पास जंगल में दिन गुजारने के बाद रात होते ही गांवों की ओर रुख कर रहे हैं।हाथियों के द्वारा धान की फसल को अधिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वन विभाग की ओर से हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है पर सफलता नहीं मिल रही है। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को टार्च लाइटए पटाखाए मसाल उपलज़्ध कराया जाना चाहिए पर ऐसा नहीं करने से ग्रामीणों में असंतोष है। सबडेगा वन मंडल क्षेत्र में 40 हाथियों का झुंड है।

ये हाथी झारखंड के सिमडेगा जिले से ओडिशा में प्रवेश किए हैं। इससे इलाके के लोग आतंकित हैं। ग्रामीणों के विरोध के चलते इस क्षेत्र से हाथियों को बाहर निकालना वन विभाग के लिए मुश्किल हो रहा हैए जिस क्षेत्र से होकर हाथियों का झुंड गुजरेगा उस क्षेत्र के लोगों को नुकसान होगी।

एसपी आवास के पास बड़ी चोरी घर से नकदी और जेवर समेत 20 लाख का सामान गायब



नुआपाड़ा ०४/११ (संवाददाता): ओडिशा के नुआपाड़ा शहर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। चोरों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-353 के किनारे स्थित एक घर को निशाना बनाया और कथित तौर पर नकदी, साड़ियां, चांदी के सामान तथा चांदी के सिक्के लेकर फरार हो गए। चोरी हुए सामान की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है ज़्योंकि यह मकान नुआपाड़ा के पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह के सरकारी आवास के पास स्थित है। जिस घर में चोरी हुई वह सेवानिवृज़ प्रोफेसर किशोर कुमार बारिक और शिक्षिका स्वर्णलता झंकार का बताया गया है। रविवार रात अज्ञात चोरों ने उनके मकान में प्रवेश किया और घर के अंदर रखे कीमती सामान को खंगाला। बताया जा रहा है कि वारदात के दौरान चोरों ने साड़ियों के साथ नकदी और चांदी से बनी कई वस्तुएं चोरी कर लीं। इनमें चांदी के सिक्के भी शामिल बताए गए हैं। सोमवार सुबह परिवार के सदस्यों को घर में चोरी होने का पता चला। कमरे और सामान अस्त-व्यस्त मिलने पर उन्होंने घर की जांच की। कीमती वस्तुएं और नकदी नहीं मिलने के बाद घटना की सूचना नुआपाड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने घर के अलग-अलग हिस्सों की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश शुरू की कि चोर किस रास्ते से मकान में घुसे और वारदात को अंजाम देने के बाद किस दिशा में फरार हुए। घर के दरवाजों, खिड़कियों और आसपास के स्थानों की भी जांच की गई। घटना से जुड़े सुराग जुटाने के लिए स्थानीय लोगों से जानकारी ली जा रही है। चोरी की यह घटना शहर के ऐसे इलाके में हुई है जहां पुलिस अधीक्षक का सरकारी आवास भी मौजूद है। इसलिए वारदात के बाद स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि उच्च पुलिस अधिकारी के आवास के पास चोर इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं तो शहर के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। राष्ट्रीय राजमार्ग-353 के किनारे स्थित होने के कारण इस इलाके में दिन-रात वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद चोरों के घर में घुसने और बड़ी मात्रा में सामान लेकर भागने की घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। पुलिस अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों ने वारदात से पहले घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी या उन्हें घर में रखे सामान की पहले से जानकारी थी। चोरी में कितने लोग शामिल थे, फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

यह भी जांच का विषय है कि घटना के समय घर में कोई मौजूद था या मकान खाली था। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सकती है। राजमार्ग और आसपास के रास्तों पर लगे कैमरों से संदिग्ध व्यक्तियों या वाहनों की पहचान करने में मदद मिलने की उज़्मीद है।परिवार की ओर से दी गई शुरुआती जानकारी के आधार पर चोरी हुए सामान की सूची तैयार की जा रही है। कथित तौर पर गायब नकदी, चांदी के सिक्कों और अन्य वस्तुओं की वास्तविक कीमत का पता विस्तृत आकलन के बाद ही चलेगा।

लगभग 20 लाख रुपये के नुकसान का आंकड़ा शुरुआती जानकारी पर आधारित बताया जा रहा है। पुलिस सत्यापन के बाद ही चोरी की कुल कीमत की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। पुलिस स्थानीय सराफा कारोबारियों और संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रख सकती है ताकि चोरी का सामान बाजार में बेचने की किसी कोशिश का पता लगाया जा सके। ऐसे मामलों में चांदी के सामान को गलाने या दूसरे क्षेत्रों में बेचने की आशंका रहती है। इसलिए पड़ोसी जिलों और थाना क्षेत्रों के साथ सूचनाएं साझा किए जाने की संभावना है। घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि शहर के मुज़्य मार्गों और आवासीय क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों की संज़्या बढ़ाई जानी चाहिए। बंद पड़े कैमरों को ठीक कराने और प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निगरानी मजबूत करने की

आरएसपी की 'संवर्धन ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता' लाठीकटा ज़्लॉक में आयोजित, टीमजोर ने चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती



राउरकेला ०४/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) की 'संवर्धन ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता' का समापन 27 अज़्टूबर, 2026 को लाठीकटा ज़्लॉक के तैंसर ग्राम पंचायत अंतर्गत झंडी गांव में हुआ। समापन समारोह में मुज़्य महा प्रबंधक (कॉन्ट्रैज़्ट सेल), श्री आलोक कुमार बेहेरा मुज़्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर महा प्रबंधक (सी.एस.आर.), श्री बी.मल्लिक, उप महा प्रबंधक (सी.एस.आर.), श्री आर.एस. बारा, सहायक महा प्रबंधक (सी.एस.आर.), श्री बी.जेना, उप प्रबंधक (सी.एस.आर.), श्री एस.के.शुज़्ला, लाठीकटा के तैंसर ग्राम पंचायत के नायब सरपंच, श्री कर्मा ओराम, समिति सदस्य, सुश्री फूलमणि ओराम, अन्य अधिकारीगण, सी.एस.आर. विभाग के कर्मचारी, वार्ड सदस्य, समिति सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संज़्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री बेहेरा ने विजेता टीम को बधाई दी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्थानीय क्षेत्र में फुटबॉल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे टीम भावना और सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देने वाला खेल बताया।

प्रतियोगिता में टीम जोर ने चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 10,000/- रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। वहीं, झारतरंग की टीम उपविजेता रही, जिसे ट्रॉफी एवं 8,000/- रुपये की नकद पुरस्कार राशि से सज़्मानित किया गया। टाइंसर और जलदा की टीमें क्रमशः तीसरे एवं चौथे स्थान पर रहीं। उन्हें क्रमशः 6,000/- रुपये और 4,000/- रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

व्यक्तिगत पुरस्कारों की श्रेणी में टाइंसर के अजय बरुआ को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, जलदा के अनीश बार्ला को सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर, जलदा के किशोर मिंज को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर तथा झारतरंग के सागर साहा को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर घोषित किया गया। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 1,000/- रुपये की नकद राशि एवं एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

इस प्रतियोगिता का आयोजन राउरकेला इस्पात संयंत्र के संरक्षण में पूजा स्वयं सहायता ग्रुप द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का आनंद लेने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संज़्या में फुटबॉल प्रेमी एकत्रित हुए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री बी.मल्लिक ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि श्री आर.एस.बारा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन अनुभाग अधिकारी (सी.एस.आर.), श्री बी.एक्का ने अनुभाग अधिकारी (सी.एस.आर.), श्री जी.आर.नायक के साथ किया।

उल्लेखनीय है कि यह वर्ष 2026-27 की श्रृंखला की पहली आंचलिक स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता थी। आर.एस.पी. के पार्श्वांसचल क्षेत्र के चार ज़्लॉकों में प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। चारों जोन की विजेता एवं उपविजेता टीमें राउरकेला में आयोजित होने वाले अंतिम फुटबॉल मैच में चैंपियनशिप के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

ओडिशा पुलिस ने सरकार से 76 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की

भुवनेश्वर ०४/११ (संवाददाता): पुलिस स्टेशनों और चौकियों में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं, ऐसे में ओडिशा पुलिस ने उनकी बहाली और रखरखाव के लिए सरकार से 76 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की है। यह राशि सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के लिए निर्धारित की गई थी लेकिन विज़ीय वर्ष 2025-26 में इसे सरेंडर कर दिया गया था। गृह विभाग को लिखे एक पत्र में, अतिरिक्त मुज़्य सचिव, एडीजी (कानून और व्यवस्था) संजय कुमार ने इस मामले पर विचार-विमर्श करने और सीसीटीवी प्रणाली की स्थापना और रखरखाव के लिए ओडिशा कंप्यूटर एप्लीकेशन सेंटर (ओसीएसी) को आगे के भुगतान के लिए अनुपूरक बजट के तहत ₹76 करोड़ की धनराशि जारी करने पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक का अनुरोध किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य भर में 645 पुलिस स्टेशनों और 263 पुलिस चौकियों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस साल मार्च की शुरुआत में पुलिस और गृह विभाग के अधिकारियों की एक बैठक के दौरान ओसीएसी से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया था कि राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों और चौकियों में लगे सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह चालू रहें। हालाँकि, 17 सितंबर तक पुलिस स्टेशनों में 795 और चौकियों में 33 सीसीटीवी कैमरे ऑफ़लाइन पाए गए। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों को चौबीसों घंटे पूरी तरह कार्यात्मक स्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। कुमार ने अतिरिक्त मुज़्य सचिव से राज्य के पुलिस स्टेशनों और चौकियों में स्थापित सभी गैर-कार्यात्मक सीसीटीवी कैमरों की तत्काल बहाली के लिए ओसीएसी को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने भी पहले राज्य सरकार को सभी पुलिस स्टेशनों और चौकियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था।